विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट-ब्यूरो

Code No 72

विषय: तुलनात्मक लिटरेचर

पाठ्यक्रम

इकाई - I

तुलनात्मक साहित्य का अवधारणात्मक ढांचा

1. तुलनात्मक साहित्य का उद्भव
2. अंतर और बहुलता की मर्यादाएँ
3. राष्ट्रीय साहित्य के विचार की सीमाएँ
4. निर्वचन के सिद्धांत

इकाई - II

साहित्यिक इतिहास लेखन

1. साहित्यिक इतिहास के स्रोत: मौखिक, पांडुलिपिक, लिपिबद्ध और वर्चुअल
2. साहित्यिक इतिहास के उपागम: एकतावादी और अन्य मॉडल
3. काल विभाजन की समस्याएं

इकाई - III

तुलनात्मक साहित्य का इतिहास

1. तुलनात्मक साहित्य का इतिहास: फ्रेंच, जर्मन, रूसी और नेल अलीव स्कूल
2. भारत में तुलनात्मक साहित्य: ईगोर से वर्तमान तक
3. विश्व साहित्य: गोएथे से वर्तमान तक
4. "दि स्टेट ऑफ डिसिप्लिन" रिपोर्ट्स

इकाई - IV

अनुवाद: तुलनात्मकता के संदर्भ में

1. अनुवाद का इतिहास और राजनीति
2. अनुवाद : अभिग्रहण के स्तर पर
3. बहुभाषी स्थितियों में अनुवाद : आशाएँ और समस्याएँ
4. अनट्रांस्लेटेबिलिटी और मौन

इकाई - V

साहित्य मीमांसा

1. भारतीय काव्यशास्त्र: संस्कृत और तमिल
2. फारसी-अरबी परंपराएँ
3. पाश्चात्य शास्त्रीय साहित्य सिद्धांत

इकाई - VI

भारतीय साहित्य- I

1. शास्त्रीय - संस्कृत, तमिल, पाली और अन्य साहित्यिक परंपराएँ
2. मध्ययुगीन – भारतीय भाषा – साहित्यों का गठन: भक्ति, संत एवं सूफी साहित्य
3. पश्चिम एशियाई, दक्षिण-पूर्व एशियाई और दक्षिण एशियाई साहित्यिक परंपराओं के साथ संपर्क

इकाई - VII

भारतीय साहित्य - II

1. आधुनिकता: अवधारणा के रूप में
2. औपनिवेशिक आधुनिकता: पश्चिमी विधाओं और साहित्यिक परंपराओं से आदान-प्रदान
3. विमर्श के रूप में आधुनिकता: विभिन्न भाषा-साहित्य के संदर्भ में आधुनिकतावाद
4. आधुनिकता के असंतोष: महिला, आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक और अन्य का साहित्य

इकाई - VIII

साहित्यिक मोड, शैलियाँ और थीम्स

1. "साहित्यिक" , एक मान्यता के रूप में
2. मोड और प्रदर्शनशीलता: त्रासदी, महाकाव्य और उपन्यास
3. साहित्यिक विधाएँ; सिद्धांत, वर्गिकी: जेनेरिक मार्कर्स और रूपांतरण

4. थीम्स: अनुकल्प, मिथक, आर्किटाइप्स

इकाई - IX

इंटरडिसिप्लिनेरिटी और इंटरमीडिएलिटी

1. साहित्य और अन्य कलाएँ: रचना का विभिन्न माध्यमों में पुनर्लेखन
2. साहित्यिक अध्ययन और अन्य अनुशासन

इकाई - X
साहित्यिक संवाद

1. अंतर्पाठ, पैरोडी और पास्टिश
2. पुनः सृजन: कालक्रमिक एवं एककालिक संदर्भ में
3. अनुकूलन, विनियोजन और आत्मसातीकरण